



NAVBHARAT TIME

# वाईएमसीए के छात्रों ने निभाई जनप्रतिनिधियों की भूमिका वाईएमसीएम के युवा उत्सव में सीख रहे संसद की कार्यवाही

■ वरिष्ठ संवाददाता, फरीदाबाद

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की तरफ से आयोजित युवा उत्सव शनिवार से शुरू हो गया। यह उत्सव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम से प्रेरित है, जिसमें उन्होंने युवाओं को संसदीय प्रणाली की कार्यवाही से अवगत करवाने और राष्ट्र निर्माण में युवाओं को भागीदार बनाने के उद्देश्य से मॉक पार्लियामेंट के आयोजन पर जोर दिया था। युवा उत्सव में विभिन्न शिक्षण संस्थानों के 50 से अधिक प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं और विभिन्न मुद्दों पर अपने विचार रख रहे हैं।

दो दिवसीय वाद-विवाद गतिविधियों के इस आयोजन के लिए एक मॉक संसद को तैयार किया गया है, जहां सभी प्रतिभागी सांसदों की भूमिका निभा रहे हैं और उन्होंने इस संसद की कार्यवाही के लिए तैयार एजेंडे पर अपने विचार प्रस्तुत किए। वे लोकसभा अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, प्रधानमंत्री और नेता प्रतिपक्ष जैसी भूमिकाओं का निर्वहन बेहतर ढंग से करते नजर आए,



वाईएमसीए विश्वविद्यालय में आयोजित युवा उत्सव में बोलते विद्यार्थी

जिससे उन्हें संसदीय कार्यवाही और प्रणाली को सीखने में मदद मिल रही है।

वाद-विवाद के लिए एजेंडे में देश में शिक्षा प्रणाली की समीक्षा, आरक्षण व्यवस्था, महिला सुरक्षा तथा महिला सशक्तिकरण शामिल रहे। प्रत्येक एजेंडे के लिए दो-तीन व्यक्तियों का एक निर्णायक पैनल है, जो वाद-विवाद की समीक्षा कर रहा है और विजेता का निर्णय प्रतिभागियों

द्वारा दो दिनों की परिचर्चा के आधार पर किया जाएगा। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि ऐसी गतिविधियां विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण हैं, उन्हें ऐसे अवसरों का लाभ उठाना चाहिए। कार्यक्रम को अधिष्ठाता, छात्र कल्याण प्रो. नरेश चौहान की देखरेख में आयोजित किया गया व समन्वयन डॉ. सोनिया बंसल, डॉ. ज्योति ग्रोवर द्वारा किया गया।



# संसदीय प्रणाली से अवगत हुए विद्यार्थी



वाईएमसीए विश्वविद्यालय में आयोजित युवा उत्सव के दौरान आयोजित युवा संसद अपना पक्ष रखता हुआ छात्र ● जागरण।

जागरण संवाददाता, फरीदाबाद :  
वाईएमसीए विश्वविद्यालय में युवा उत्सव का आयोजन किया गया। यह उत्सव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम मन की बात कार्यक्रम से प्रेरित रहा। इसमें युवाओं को संसदीय प्रणाली की कार्यवाही से अवगत करवाने और राष्ट्र निर्माण में युवाओं को भागीदार बनाने के उद्देश्य से मॉक पार्लियामेंट के आयोजन पर जोर दिया गया। इसमें विभिन्न शिक्षण संस्थानों के 50 से

अधिक प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण होती हैं और विद्यार्थियों को ऐसे अवसरों का लाभ उठाना चाहिए। विश्वविद्यालय द्वारा वार्षिक रूप से आयोजित किये जाने वाले युवा उत्सव का यह तीसरा संस्करण है, जिसे विश्वविद्यालय के विद्यार्थी क्लब अनन्या द्वारा आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम को डीन, छात्र



प्रधानमंत्री के कार्यक्रम  
मन की बात से प्रेरित

युवा उत्सव का वाईएमसीए विवि में  
हुआ आयोजन

कल्याण प्रो.नरेश चौहान की देखरेख में आयोजित किया जा रहा है। समन्वयक डॉ.सोनिया बंसल तथा डॉ.ज्योति ग्रोवर हैं। दो दिवसीय वाद-विवाद गतिविधियों के इस आयोजन के लिए एक मॉक (बनावटी) संसद को तैयार किया गया है, जहां सभी प्रतिभागी सांसदों की भूमिका निभा रहे हैं और इस संसद की कार्यवाही के लिए तैयार एजेंडे पर अपने विचार प्रस्तुत कर रहे हैं। विद्यार्थी लोकसभा अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, प्रधानमंत्री तथा नेता प्रतिपक्ष जैसी भूमिकाओं का निर्वहन बेहतर ढंग से करते नजर आए। युवा संसद में वाद-विवाद के लिए एजेंडे में देश में शिक्षा प्रणाली की समीक्षा, आरक्षण व्यवस्था, महिला सुरक्षा तथा महिला सशक्तिकरण शामिल हैं। प्रत्येक एजेंडे के लिए दो-तीन व्यक्तियों का एक निर्णायक पैनल है, जो वाद-विवाद की समीक्षा कर रहा है और विजेता का निर्णय प्रतिभागियों द्वारा दो दिनों की परिचर्चा के आधार पर किया जाएगा।



AMAR UJALA

# विद्यार्थियों ने चलाई युवा संसद



फरीदाबाद में शनिवार को वाईएमसीए में युवा संसद के दौरान विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करते विद्यार्थी।

अमर उजाला ब्यूरो

फरीदाबाद। युवा संसद के तीसरे संस्करण में वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के छात्रों ने युवा संसद चला संसदीय प्रणाली को समझा। प्रधानमंत्री की मन की बात से प्रभावित ये कार्यक्रम लगातार तीसरे साल आयोजित किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के साहित्यिक क्लब अन्नया हर वर्ष युवा संसद का

## वाईएमसीए में हुआ आयोजन

आयोजन करता है। दो दिवसीया युवा संसद का आयोजन एक मॉक संसद में बहस और चर्चा कर किया जाता है। विश्वविद्यालय प्रधानाचार्य दिनेश यादव ने युवा संसद को व्यक्तित्व विकास के लिए आवश्यक बताया। संसदीय कार्यवाहियों की नकल करते युवाओं का उत्साह विपक्ष

की भी बेहतर भूमिका निभा रहा है। युवा संसद में वाद-विवाद के एजेंडे देश की शिक्षा, आरक्षण और शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर बहस करते युवाओं का मानसिक विकास उत्साहित करने वाला है। प्रत्येक एजेंडे के लिए तीन व्यक्तियों का निर्णायक मंडल भी बनाया गया है। जो आखिरी दिन विद्यार्थियों के प्रदर्शन अनुसार उन्हें बेहतर प्रदर्शन के लिए सम्मानित करेंगे।



# वाईएमसीए युवा उत्सव में विद्यार्थियों ने चलाई युवा संसद

## ■ शिक्षा प्रणाली, आरक्षण और महिला सुरक्षा जैसे मुद्दों पर की खुलकर चर्चा

फरीदाबाद, 10 मार्च (ब्यूरो):  
वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी  
विश्वविद्यालय, फरीदाबाद द्वारा  
आयोजित युवा उत्सव आज प्रारंभ हो  
गया। यह उत्सव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी  
के 'मन की बात' कार्यक्रम से प्रेरित  
है, जिसमें उन्होंने युवाओं को संसदीय  
प्रणाली की कार्यवाही से अवगत करवाने  
तथा राष्ट्र निर्माण में युवाओं को  
भागीदार बनाने के उद्देश्य से मॉक  
पार्लियामेंट के आयोजन पर जोर दिया  
था। इसी के दृष्टिगत विश्वविद्यालय  
के युवा उत्सव का तीसरा संस्करण  
युवा संसद पर केंद्रित है, जिसमें विभिन्न  
शिक्षण संस्थानों के 50 से अधिक  
प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं तथा विभिन्न  
मुद्दों पर अपने विचार रख रहे हैं।

कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा  
कि इस प्रकार की गतिविधियां  
विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में  
महत्वपूर्ण होती हैं और विद्यार्थियों को  
ऐसे अवसरों का लाभ उठाना चाहिए  
तथा बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए।



वाईएमसीए में युवा संसद के दौरान चर्चा करते हुए विद्यार्थी।

विश्वविद्यालय द्वारा वार्षिक रूप से  
आयोजित किए जाने वाले युवा उत्सव  
का यह तीसरा संस्करण है, जिसे  
विश्वविद्यालय के विद्यार्थी क्लब  
'अनन्या' जो कि साहित्यिक गतिविधियों  
के लिए है, द्वारा आयोजित किया जा  
रहा है। कार्यक्रम को अधिष्ठाता, छात्र  
कल्याण प्रो. नरेश चौहान की देखरेख  
में आयोजित किया जा रहा है, जिसका  
समन्वयन डॉ. सोनिया बंसल तथा डॉ.  
ज्योति ग्रोवर द्वारा किया जा रहा है।  
दो दिवसीय वाद-विवाद गतिविधियों  
के इस आयोजन के लिए एक मॉक

(बनावटी) संसद को तैयार किया गया  
है, जहां सभी प्रतिभागी सांसदों की  
भूमिका निभा रहे हैं और इस संसद  
की कार्यवाही के लिए तैयार एजेंडे पर  
अपने विचार प्रस्तुत कर रहे हैं।

संसदीय कार्यवाही में भूमिका निभा  
रहे विद्यार्थियों की उत्साह देखते ही  
बनता है। वे लोकसभा अध्यक्ष,  
उपाध्यक्ष, प्रधानमंत्री तथा नेता प्रतिपक्ष  
जैसी भूमिकाओं का निर्वहन बेहतर  
ढंग से करते नजर आ रहे हैं, जिससे  
उन्हें संसदीय कार्यवाही एवं प्रणाली  
को सीखने में मदद मिल रही है।





DAINIK BHASKAR

# विद्यार्थियों ने चलाई युवा संसद, लोकसभा अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, प्रधानमंत्री की निभाई भूमिका

भास्कर न्यूज़|फरीदाबाद

वाईएमसीए विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित युवा उत्सव शुक्रवार से शुरू हो गया। यह उत्सव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम से प्रेरित है। इसमें उन्होंने युवाओं को संसदीय प्रणाली की कार्रवाई से अवगत कराने व राष्ट्र निर्माण में युवाओं को भागीदार बनाने के उद्देश्य से मॉक पार्लियामेंट के आयोजन पर जोर दिया था। इसी के तहत विश्वविद्यालय के युवा उत्सव का तीसरा संस्करण युवा संसद पर केंद्रित है। इसमें विभिन्न शिक्षण संस्थानों के 50 से अधिक प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। पहले दिन उन्होंने विभिन्न मुद्दों पर अपने विचार रखे।

दो दिवसीय वाद-विवाद गतिविधियों के इस आयोजन के लिए एक मॉक (बनावटी) संसद को तैयार किया गया। इसमें सभी प्रतिभागी सांसदों की भूमिका निभा रहे हैं। इस संसद की कार्रवाई के लिए तैयार एजेंडे पर अपने विचार प्रस्तुत कर रहे हैं। वे लोकसभा अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, प्रधानमंत्री व नेता प्रतिपक्ष जैसी भूमिकाओं का निर्वहन बेहतर ढंग से कर रहे हैं। इससे उन्हें संसदीय कार्रवाई



फरीदाबाद. वाईएमसीए विश्वविद्यालय में युवा संसद के दौरान विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करते हुए विद्यार्थी।

एवं प्रणाली को सीखने में मदद मिल रही है। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण होती हैं। विद्यार्थियों को ऐसे अवसरों का लाभ उठाना चाहिए। इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। विश्वविद्यालय द्वारा वार्षिक रूप से आयोजित किए जाने वाले युवा उत्सव का यह तीसरा संस्करण है। इसे विश्वविद्यालय के विद्यार्थी क्लब 'अनन्या' द्वारा यह आयोजित किया जा रहा है।



HINDUSTAN

# संसद की कार्यवाही से रूबरू हुए

फरीदाबाद | कार्यालय संवाददाता

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में रविवार से दो दिवसीय यूथ संसद का आयोजन किया गया। इस मौके पर युवाओं ने नकली संसद बनाकर संसदीय प्रणाली की कार्यवाही से अवगत कराया।

इसमें दिल्ली विश्वविद्यालय, मानव रचना, वाईएमसीए, डीपीएस सहित कई कॉलेज के करीब 50 छात्रों ने हिस्सा लिया। इस दौरान महिला शक्तिकरण, महिला सुरक्षा, महिला आरक्षण, स्वास्थ्य सहित कई मुद्दों पर चर्चा की गई। विश्वविद्यालय में यूथ संसद का तीसरा संस्करण का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ विश्वविद्यालय के

## आयोजन

- वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विवि में यूथ संसद का आयोजन
- इस दौरान विभिन्न कॉलेज के करीब 50 छात्रों ने लिया हिस्सा

कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने किया।

वाद-विवाद गतिविधियों के लिए एक बनावटी संसद का आयोजन किया गया था। इसमें हिस्सा लेने वाले सभी प्रतिभागी सांसदों की भूमिका निभा रहे थे। इसकी कार्यवाही के लिए तैयार कार्यसूची पर अपने विचार प्रस्तुत किया। संसदीय कार्यवाही में भूमिका निभा रहे विद्यार्थियों की उत्साह देखते ही बन रहा था। इस मौके पर छात्र लोकसभा

अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, प्रधानमंत्री तथा नेता प्रतिपक्ष जैसी भूमिकाओं को निभाते हुए नजर आए। जिससे उन्हें संसदीय कार्यवाही एवं प्रणाली को सीखने में मदद मिले। युवा संसद में वाद-विवाद के लिए कार्यवाही में शिक्षा प्रणाली की समीक्षा, आरक्षण व्यवस्था, महिला सुरक्षा तथा महिला सशक्तिकरण शामिल किया गया था। प्रत्येक कार्यवाही के लिए दो-तीन व्यक्तियों का एक निर्णायक मंडल बनाया गया था, जो वाद-विवाद की समीक्षा किया गया।

इस मौके पर युवा संसद, लोक सभा और कई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसका आयोजन विश्वविद्यालय के छात्र क्लब अनन्या की ओर से आयोजन किया गया था।